

Slide 1



---

---

---

---

---

---

---

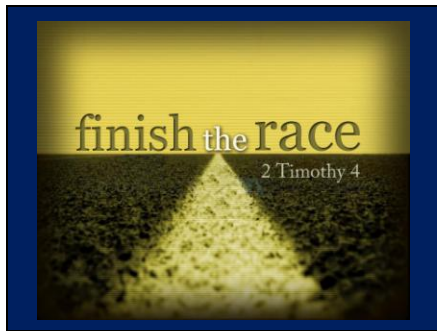
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

---

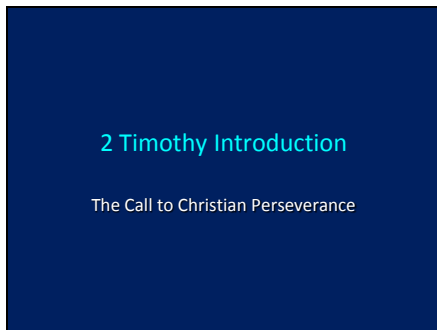
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 4

**Answering Nine Questions**



- 1) Who wrote it? – Paul
- 2) What do we know about the author? – An Apostle
- 3) To whom was it written? – Timothy
- 4) When was it written? - A.D. 67
- 5) Where was it written from? – Rome
- 6) Why was it written? – Timothy's timidity
- 7) What is it about? – Perseverance
- 8) What is inside (outline)? – 4 part outline
- 9) What makes the book different? – Paul's final word

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

**Four Part Structure**

1. General call to faithful endurance in the ministry (chapter 1)
2. Ten metaphors describing what faithful endurance looks like (chapter 2)
3. What to do in the midst of the coming apostasy (3:1–4:8)
4. How God met six needs in Paul's life (4:9-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

**Four Part Structure**

1. General call to faithful endurance in the ministry (chapter 1)
2. Ten metaphors describing what faithful endurance looks like (chapter 2)
3. What to do in the midst of the coming apostasy (3:1–4:8)
4. How God met six needs in Paul's life (4:9-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

### Four Part Structure

1. General call to faithful endurance in the ministry (chapter 1)
2. **Ten metaphors describing what faithful endurance looks like (chapter 2)**
3. What to do in the midst of the coming apostasy (3:1-4:8)
4. How God met six needs in Paul's life (4:9-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

## 2 Timothy 2

Ten Metaphors Illustrating Endurance

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

### Ten Metaphors

- Teacher (2:2)
- Soldier (2:3-4)
- Athlete (2:5)
- Farmer (2:6)
- Christ (2:7-8)
- Paul (2:9-10)
- Trustworthy statement (2:11-13)
- Workman (2:14-18)
- Vessel (2:19-23)
- Servant (2:24-26)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 10

**Four Part Structure**

1. General call to faithful endurance in the ministry (chapter 1)
2. Ten metaphors describing what faithful endurance looks like (chapter 2)
3. What to do in the midst of the coming apostasy (3:1-4:8)
4. How God met six needs in Paul's life (4:9-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

**Definition of Apostasy**

- *apos* = away from
- *histēmi* = to stand
- Apostasy = to stand away from
- Apostasy = a departure from known (or previously embraced) truth

A photograph of a white ceramic mug filled with a golden beer. Below the mug, the word 'APOLOGETICS' is written in a stylized font. Underneath that, a subtitle reads 'Orthodox? Heretical? Who Cares? Let's Find Some Common Ground.' There is a small circular logo in the bottom right corner of the image.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**Apostasy (3:1-4:8)**

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

Apostasy (3:1-4:8)

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

Apostasy (3:1-4:8)

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

Apostasy (3:1-4:8)

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

**Apostasy (3:1-4:8)**

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)**
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

**Apostasy (3:1-4:8)**

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)**
  - B. Preach the Word (3:14-4:8)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

**B. Paul' Example (3:10-13)**

- 1. Paul's ministry (10a)
- 2. Paul's character (10b)
- 3. Paul's difficulties (11-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

**Apostasy (3:1-4:8)**

- I. The Apostasy (3:1-9)
  - A. The evil (3:1-7)
  - B. The examples (3:8-9)
- II. The Antidote (3:10-4:8)
  - A. Paul's example (3:10-13)
  - B. **Preach the Word (3:14-4:8)**

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 20

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

**Preach the Word for Nine Reasons**

- **Impact on Paul (2 Tim 3:14)**
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- **Impact on salvation (2 Tim 3:15)**
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

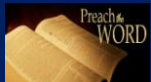
---

---

Slide 23

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- **Divine origin (2 Tim 3:16a)**
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

**INSPIRATION OF SCRIPTURE**  
2 Peter 2:20-21

- Men Wrote as they were inspired by Holy Spirit  
*"phero" = to carry Acts 27:15,17*
- Opposite of Knowledge of False Teachers
  - ◆ *Which is their own imagination*
  - ◆ *Jer. 23:16*




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 25

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- **Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)**
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26

**Three Tenses of Salvation**

Phase	Justification	Sanctification	Glorification
Tense	Past	Present	Future
Saved from sin's:	Penalty	Power	Presence
Scripture	Eph 2:8-9; Titus 3:5	Philip 2:12	Rom 5:10

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 27

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- **Impact on equipping (2 Tim 3:17)**
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

**2 Timothy 3:17**

“so that the man of God may be adequate, equipped for every good work.”



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- **Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)**
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- **Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)**
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 31

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

**2 Timothy 4:3-4**

“For the time will come when they will not endure sound doctrine; but *wanting* to have their ears tickled, they will accumulate for themselves teachers in accordance to their own desires, and will turn away their ears from the truth and will turn aside to myths.”




---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

**Preach the Word for Nine Reasons**

- Impact on Paul (2 Tim 3:14)
- Impact on salvation (2 Tim 3:15)
- Divine origin (2 Tim 3:16a)
- Impact on sanctification (2 Tim 3:16b)
- Impact on equipping (2 Tim 3:17)
- Paul's charge to Timothy (2 Tim 4:1a, 2)
- Timothy's evaluation at the Bema Seat (2 Tim 4:1b)
- Preference of men to avoid the word (2 Tim 4:3-4)
- Need to complete Timothy's ministry (2 Tim 4:5-8)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---







Slide 43



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

*Mark Twain, Autobiography, 2:37*

“A myriad of men are born; they labor and sweat and struggle for bread; they squabble and scold and fight; they scramble for little mean advantages over each other. Age creeps upon them and infirmities follow; shames and humiliations bring down their prides and their vanities. Those they love are taken from them, and the joy of life is turned to aching grief. The burden of pain, care, and misery grows heavier year by year. At length ambition is dead, pride is dead, vanity is dead; longing for release is in their place. It comes at last—the only un-poisoned gift earth ever had for them—and they vanish from a world where they were of no consequence; where they achieved nothing, where they were a mistake and a failure and a foolishness; where they left no sign that they have existed—a world that will lament them a day and forget them forever.”

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 45

**Three Metaphors (4:7)**

1. Boxer/wrestler
2. Runner
3. Steward



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 46

Three Metaphors (4:7)

1. Boxer/wrestler
2. Runner
3. Steward



mindful worship

Poured Out Like a Drink Offering

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 47

Three Metaphors (4:7)

1. Boxer/wrestler
2. Runner
3. Steward



mindful worship

Poured Out Like a Drink Offering

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

Three Metaphors (4:7)

1. Boxer/wrestler
2. Runner
3. Steward



mindful worship

Poured Out Like a Drink Offering

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49

**Necessity for Timothy to Complete His Ministry (2 Tim 4:5-8)**

- Charge (4:5)
- Reason (4:6)
- Reward (4:7-8)
  - ◆ *Satisfaction of a life well spent (4:7)*
  - ◆ ***Bema Seat (4:8)***



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 50

**Judgment of Rewards (4:8)**

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 51

**Judgment of Rewards (4:8)**

1. "**In the future**"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"



---

---

---

---

---

---

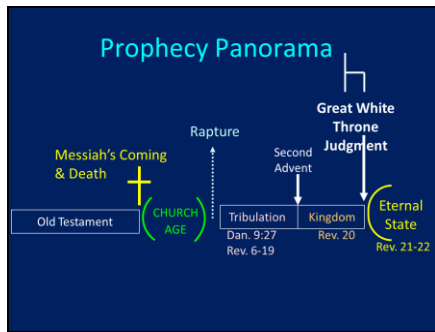
---

---

---

---

Slide 52




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 53

### Judgment of Rewards (4:8)

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"




---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54

### Scripture's Five Crowns (Rev 4:10; 3:11; 2 John 8)

Scripture	Crown	Purpose
1 Cor 9:24-27	<b>Incorruptible</b>	Gaining mastery over the flesh
1 Thess 2:19-20	<b>Rejoicing</b>	Soul winning
Jas 1:12; Rev 2:10	<b>Life</b>	Enduring trials
1 Pet 5:2-4	<b>Glory</b>	Shepherding God's people
2 Tim 4:8	<b>Righteousness</b>	Longing for His appearing

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 55

Judgment of Rewards (4:8)

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 56

Judgment of Rewards (4:8)

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 57

Judgment of Rewards (4:8)

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 58

**Judgment of Rewards (4:8)**

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 59

**Judgment of Rewards (4:8)**

1. "In the future"
2. "There is laid up for me the crown of righteousness"
3. "Which the righteous judge"
4. "Will award to me"
5. "On that day"
6. "Not to me only but to all"
7. "Who have loved His appearing"




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

**Ante-Nicene Fathers: "Heavenly and Eschatological" Interpretation of John 14:1-4**

"Interestingly, references to John 14:1-3 virtually disappear when perusing the writings of the Nicene and Post-Nicene fathers. This is a bit surprising, given the abundance of material in these later writers when compared with the Ante-Nicenes. I would assume that with the rise of Augustinian amillennialism and its optimistic interpretation regarding the present arrival of the Kingdom of God, the kind of hope held out in John 14:1-3 ceased to hold relevance."

George Gunn, "John 14:1-3: The Father's House: Are We There Yet?," 30, n. 24.

---

---

---

---

---

---

---

---

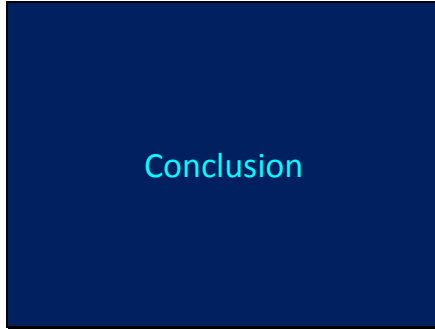
---

---

---

---

Slide 61




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 62

Necessity for Timothy to Complete His Ministry (2 Tim 4:5-8)

- Charge (4:5)
- Reason (4:6)
- Reward (4:7-8)
  - ◆ Satisfaction of a life well spent (4:7)
  - ◆ Bema Seat (4:8)




---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 63

"The LORD bless you and keep you; the LORD make his face shine on you and be gracious to you; the LORD turn his face toward you and give you peace." (NIV)

---

---

---

---

---

---

---

---

## 7

1 Kgs. 11:1-8- Now King Solomon loved many foreign women along with the daughter of Pharaoh: Moabite, Ammonite, Edomite, Sidonian, and Hittite women, <sup>2</sup> from the nations concerning which the LORD had said to the sons of Israel, “You shall not <sup>[a]</sup>associate with them, nor shall they <sup>[b]</sup>associate with you, *for* they will surely turn your heart away after their gods.” Solomon held fast to these in love. <sup>3</sup> He had seven hundred wives, princesses, and three hundred concubines, and his wives turned his heart away. <sup>4</sup> For when Solomon was old, his wives turned his heart away after other gods; and his heart was not <sup>[c]</sup>wholly devoted to the LORD his God, as the heart of David his father *had been*. <sup>5</sup> For Solomon went after Ashtoreth the goddess of the Sidonians and after <sup>[d]</sup>Milcom the detestable idol of the Ammonites. <sup>6</sup> Solomon did what was evil in the sight of the LORD, and did not follow the LORD fully, as David his father *had done*. <sup>7</sup> Then Solomon built a high place for Chemosh the detestable idol of Moab, on the mountain which is <sup>[e]</sup>east of Jerusalem, and for Molech the detestable idol of the sons of Ammon. <sup>8</sup> Thus also he did for all his foreign wives, who burned incense and sacrificed to their gods.

Rev. 3:2-Wake up, and strengthen the things that remain, which were about to die; **for I have not found your deeds completed in the sight of My God.**

Dallas businessman-"I have spent my entire life climbing the ladder of success only to discover that the ladder was leaning against the wrong wall."

1 Cor. 9:26-Therefore I run in such a way, as not without aim; I box in such a way, as not beating the air

Ryrie-"The faith-the recognized body of Christian doctrine. Paul kept the faith in two senses: he was obedient to it, and he passed it on as he received it." RSB p. 1503.

1 Cor. 4:2-In this case, moreover, **it is required <sup>[a]</sup> of stewards that one be found trustworthy.**

## **8**

2 Tim. 4:1- I solemnly charge *you* in the presence of God and of Christ Jesus, who is to **judge** the living and the dead, and by His appearing and His kingdom.

Eph. 2:8-9- For by grace you have been saved through faith; and <sup>[h]</sup>that not of yourselves, *it is* the gift of God; <sup>9</sup> not as a result of works, so that no one may boast.

1 Cor. 3:15- If any man's work is burned up, he will suffer loss; but he himself will be saved, yet so as through fire.

2 John 8- Watch yourselves, that you do not lose what we have accomplished, but that you may receive a full reward.

Rev. 3:11-I am coming quickly; hold fast what you have, so that no one will take your crown.

Gen. 22:2-He said, “Take now your son, **your only son**, whom you love, Isaac, and go to the land of Moriah, and offer him there as a burnt offering on one of the mountains of which I will tell you.”

John 15:5-6-I am the vine, you are the branches; he who abides in Me and I in him, he bears much fruit, for apart from Me you can do nothing. <sup>6</sup> If anyone does not abide in Me, he is thrown away as a branch and dries up; and **they gather them, and cast them into the fire and they are burned.**

Rev. 4:10- the twenty-four elders will fall down before Him who sits on the throne, and will worship Him who lives forever and ever, and **will cast their crowns before the throne**, saying,

2 Tim. 4:1- I solemnly charge *you* in the presence of God and of Christ Jesus, who is to **judge** the living and the dead, and by His appearing and His kingdom.

Philip. 1:10-so that you may <sup>[g]</sup>approve the things that are excellent, in order to be sincere and blameless <sup>[h]</sup>until **the day of Christ.**

2 Cor. 5:10-For we must **all** appear before the judgment seat of Christ, so that **each** one may be recompensed for <sup>[d]</sup>his deeds in the body, according to what he has done, whether good or bad.

1 John 2:15-17- Do not love the world nor the things in the world. If anyone loves the world, the love of the Father is not in him. <sup>16</sup> For all that is in the world, the lust of the flesh and the



lust of the eyes and the boastful pride of life, is not from the Father, but is from the world. <sup>17</sup> The world is passing away, and *also* its lusts; but the one who does the will of God lives forever.

1 John 5:19-We know that we are of God, and that **the whole world lies in the power of the evil one.**

Rom. 12:2-And do not be conformed to this <sup>[c]</sup>world, but be transformed by the renewing of your mind, so that you may <sup>[d]</sup>prove what the will of God is, that which is good and <sup>[e]</sup>acceptable and perfect.

Col. 4:14-Luke, the beloved physician, sends you his greetings, and *also* **Demas.**

Phlmn 24- *as do* Mark, Aristarchus, **Demas,** Luke, my fellow workers.

1 Pet. 1:17-If you address as Father the One who impartially judges according to each one's work, **conduct yourselves in fear during the time of your stay on earth**

1 Pet. 2:11-Beloved, I urge you as **aliens and strangers** to abstain from fleshly lusts which wage war against the soul.

Heb. 11:13-All these died in faith, without receiving the promises, but having seen them and having welcomed them from a distance, and having confessed that they were **strangers and exiles on the earth.**

Num. 6:24-26- “The LORD bless you and keep you;<sup>25</sup> the LORD make his face shine on you and be gracious to you;<sup>26</sup> the LORD turn his face toward you and give you peace.”